

आक्लांत वि. (तत्.) 1. सना हुआ, तरबतर। 2. थका हुआ, हतोत्साह।

आक्षरिक वि. (तत्.) भाषा. 1. अक्षर syllable बनाने योग्य, अक्षराधारित 2. अक्षरों से संबंधित, अक्षरात्मक।

आक्षिक वि. (तत्.) अक्ष अर्थात् पासा फेंकने वाला, जुआरी पुं. (तत्.) जुए में दांव पर रखा धन।

आक्षिप्त वि. (तत्.) 1. फेंका हुआ, गिराया हुआ 2. जिस पर आक्षेप लगाया गया हो, लांछित।

आक्षेप पुं. (तत्.) लांछन, निंदा, दोषारोपण 1. किसी का चरित्रहनन या प्रतिष्ठा को आघात पहुँचाना 2. विरोध, प्रतिवाद या आपत्ति 3. प्रबल विरोध, आग्रहपूर्ण प्रतिवाद/ऐतराज 4. आयु. एक वात रोग जिसमें मांसपेशियों में अनायास संकोच होता है 5. कटूक्ति, ताना।

आक्षेपक वि. (तत्.) 1. आक्षेप करने वाला 2. निंदक 3. फेंकने वाला पुं. (तत्.) आक्षेप रोग।

आक्षेपण पुं. (तत्.) 1. गिराना, दूर हटाना, फेंकना 2. आक्षेप करना।

आक्षेपणीय वि. (तत्.) जिस पर आक्षेप किया जा सके, जिसका विरोध हो सके (आपत्तियोग्य) दे. आक्षेप।

आक्षेपी वि. (तत्.) दे. आक्षेपक।

आक्षेपी-चिकित्सा स्त्री. (तत्.) विशेष प्रकार की चिकित्सा प्रणाली, जिसके द्वारा मानसिक रोगियों का उपचार किया जाता है, इसमें औषधियों से अथवा बिजली के झटकों से मांसपेशियों को सक्रिय किया जाता है।

ऑक्साइड पुं. (अं.) रसा. ऑक्सीजन के संयोग से बना यौगिक ऑक्साइड

ऑक्सी अम्ल पुं. (अं+तत्.) रसा. अम्ल जिसमें ऑक्सीजन हो अर्थात् जिसमें हाइड्रोजन परमाणु हाइड्रॉक्सिल में परिवर्तित हो चुका हो oxy-acid

आक्सीकरण पुं. (अं.) रसायनिक प्रक्रिया द्वारा आक्सीजन अथवा किसी विद्युतीय ऋणात्मक तत्व

का संयोग अथवा हाइड्रोजन या किसी विद्युतीय घनात्मक तत्व का वियोग। oxidation

आक्सीकारक पुं. (अं.) वह पदार्थ जो दूसरे पदार्थों से अभिक्रिया करने पर किसी अन्य पदार्थ का आक्सीकरण करता है।

ऑक्सीजन पुं. (अं.) रसा. एक गंधहीन, स्वादहीन और रंगहीन गैसीय तत्व जो प्राणियों तथा पादपों के जीवन के लिए अनिवार्य है oxygen

आखंडल पुं. (तत्.) पर्वतों को खंडित करने वाला व्यक्ति

आखंडलीय वि. (तत्.) इंद्र देव संबंधी, इंद्र का रथ आखंडलीय रथ भी कहलाता है।

आखत पुं. (तद्.) 1. अक्षत, केसर में रंगा हुआ बिना टूटा हुआ मांगलिक चावल 2. विवाह आदि में नाई के लिए निकाला गया अन्न।

आखता वि. (देश.) बधिया किया हुआ पशु।

आखन क्रि.वि. (तद्.) हर क्षण, हर समय।

आखना स.क्रि. (तद्.) 1. कुछ बोलना, कहना, बताना 2. इच्छा करना, चाहना 3. देखना, नज़र में लाना।

आखनिक वि. (तत्.) 1. खोदने वाला व्यक्ति, 2. खोदने वाला जीव-जंतु जैसे- चूहा आदि 3. भूमि खोदने का उपकरण जैसे- कुदाल आदि।

आखर पुं. (तद्.) 1. अक्षर, वर्ण 2. फावड़ा, कुल्हाड़ी 3. अस्तबल 4. मांद, विवर 5. सार।

आखा पुं. (तद्.) झीने कपड़े से मढ़ी हुई छलनी, वि. पूरा, समूचा।

आखात पुं. (तत्.) 1. उत्खनन, खुदाई 2. कुदाल।

आखातीज स्त्री. (तद्.) अक्षय तृतीया, वैशाख शु. तृतीया।

आखानवमी स्त्री. (तद्.) कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी, अक्षय नवमी, इस दिन व्रत-उपासना भी की जाती है।

आखिर वि. (फा.) 1. अंत, समाप्ति 2. नतीजा, परिणाम 3. पिछला क्रि.वि. (तत्.) अंत में।